

Roll No :

Total No. of Questions : 12]

[Total No. of Printed Pages : 3

AP-464

M.A. (Final) Examination, 2021

RAJASTHANI

Paper - III

(काव्यशास्त्र एवं पाठालोचन)

Time : 1½ Hours]

[Maximum Marks : 100

(सगळ्यां सवालां रा पडूत्तर राजस्थानी में ई देवणा है)

(खण्ड-अ)

(अंक : 2 × 10 = 20)

नोट :- सगळ्यां दस सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते 2 अंक अर 50 सबदां मांय देवणा है।

(खण्ड-ब)

(अंक : 8 × 5 = 40)

नोट :- सात सवालां मांय सू किणी पांच सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते 200 सबद अर 8 अंक राखीज्या है।

(खण्ड-स)

(अंक : 20 × 2 = 40)

नोट :- चार सवालां मांय स्यूं कोई दोय सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते 500 सबद अर 20 अंक राखीज्या है।

खण्ड-अ

प्रत्येक 2

(सबद सीमा : 50 सबद हरैक सवाल)

- (i) 'वाक्य रसात्मक काव्यम्' उक्त परिभाषा किण आचार्य री है ?
- (ii) 'काव्य-प्रकास' पोथी किण आचार्य री है ?

BI-110

(1)

AP-464 P.T.O.

- (iii) 'विभावानुभावव्याभिचारिसंयोगाद्रसनिस्पति'
इस बाबत उपरोक्त परिभाषा किण आचार्य री है ?
- (iv) 'वक्रोक्ति-सिद्धान्त' रा प्रवर्तक रौ नांव बतावो।
- (v) अरस्तु द्वारा प्रतिपादित काव्य-सिद्धान्तां रा नांव लिखो।
- (vi) 'सौन्दर्यशास्त्र' पोथी किण पाश्चात्य विचारक री है ?
- (vii) वैणसगाई अलंकार रा कोई तीन भेदां रा नांव उजागर करावो।
- (viii) राजस्थानी रा काव्य-दोषां कोई तीन नांव लिखो।
- (ix) 'पाठालोचन' रौ कांई अरथ होवै है ?
- (x) पाठालोचन में 'प्रक्षिप्त अंश' कांई होवै है ?

खण्ड-ब

प्रत्येक 8

(सबद सीमा : 200 सबद हरैक सवाल)

2. भारतीय दीठ सूं काव्य री मूळ प्रेरणा अर प्रयोजन पर प्रकास डालो।
3. भट्ट लोल्लट रै रस बाबत 'उत्पत्तिवाद' पर टिप्पणी लिखो।
4. कुंतक रै 'वक्रोक्तिवाद' पर अेक टीप लिखो।
5. अरस्तु रै अनुकरण सिद्धान्त री समीक्षा करो।
6. राजस्थानी दूहा छंद रा भेदोपभेद नै उदाहरण सागै लिखो।
7. 'छबकाळ' काव्य दोष नै उदाहरण सैती समझावौ।
8. पाठालोचन री प्रक्रिया नै स्पष्ट करो।

(सबद सीमा : 500 सबद हरैक सवाल)

9. “साहित्य में रस-निष्पत्ति सूं आप कांई समझो ?” इण कथन री पुष्टि उदाहरण समेत करावो।
10. कॉलरिज रौ ‘स्वच्छंतवाद’ सिद्धान्त री विरोळ करो।
11. काव्य में अलंकार योजना री महत्ता नै स्पष्ट करो।
12. “पाठालोचन कला है या विज्ञान ?” इण कथन री पुष्टि करावो।